

हिंदुस्तानी संगीत
HINDUSTANI MUSIC
(242)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र
Tutor Marked Assignment

कुलअंक - 20
Max Marks: 20

टिप्पणी : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक प्रश्नों के सामने अंकित हैं।

Note: All questions are compulsory. The marks allotted for each question are indicated against each question.

(ii) उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के शीर्ष पर अपना नाम, नामांकन संख्या, अध्ययन केन्द्र का नाम और विषय लिखें।

Write your name enrolment number, AI name, and subject on the top of the first page of the answer sheet.

1 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40-60 शब्दों में दीजिए।

2

Answer any one of the following questions in about 40-60 words.

(क) नाद के दो प्रकारों (आहत नाद और अनाहत नाद) का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (पाठ 1 देखें)
(A) Describe briefly the two types of Nada. (See Lesson 1)

(ख) ताल में 'सम' और 'खाली' के महत्व को अपने शब्दों में समझाइए। (पाठ 3 देखें)
(B) Explain the importance of Sam and Khali in Tala in your own words. (See Lesson 3)

2 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40-60 शब्दों में दीजिए।

2

Answer any one of the following questions in about 40-60 words.

(क) हिंदुस्तानी संगीत में 'सप्तक' से क्या तात्पर्य है? इसके प्रकारों के नाम लिखिए। (पाठ 1 देखें)
(A) What is meant by Saptak in Hindustani Music? Name its types. (See Lesson 1)

(ख) पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए। (पाठ 5 देखें)
(B) Write any two characteristics of Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande's notation system. (See Lesson 5)

3 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40-60 शब्दों में दीजिए।

2

Answer any one of the following questions in about 40-60 words.

- (क) एक संगीत शिक्षार्थी के लिए 'अलंकारों' का अभ्यास करने के क्या लाभ हैं? (पाठ 1 देखें)
 (A) What are the benefits of practising Alankaras for a music learner? (See Lesson 1)
- (ख) संगीत रत्नाकर' ग्रंथ को 'सप्ताध्यायी' क्यों कहा जाता है? (पाठ 7 देखें)
 (B) Why is Sangeet Ratnakar called 'Saptadhyayi'? (See Lesson 7)
- 4 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 -150 शब्दों में दीजिए। 4
 Answer any one of the following questions in about 100-150 words.
- (क) हिंदुस्तानी संगीत में ताल के विभिन्न तत्वों (जैसे मात्रा, विभाग, ताली आदि) का वर्णन कीजिए।
 (पाठ 3 देखें)
 (A) Describe the various elements of Tala in Hindustani Music. (See Lesson 3)
- (ख) वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक स्वरलिपि के विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
 (पाठ 5 देखें)
 (B) Describe briefly the development of notation from the Vedic period to the modern period.
 (See Lesson 5)
- 5 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 100-150 शब्दों में दीजिए। 4
 Answer any one of the following questions in about 100-150 words.
- (क) "संगीत रत्नाकर भारतीय संगीत का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।
 (पाठ 7 देखें)
 (A) "Sangeet Ratnakar is an important treatise of Indian music." Explain the statement.
 (See Lesson 7)
- (ख) स्वर और श्रुति के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए और 22 श्रुतियों के महत्व को समझाइए। (पाठ 1 देखें)
 (B) Differentiate between Swara and Shruti and explain the importance of 22 Shrutis.
 (See Lesson 1)
- 6 नीचे दी गई परियोजनाओं में से कोई एक परियोजना तैयार कीजिए।
 Prepare any one project of the following projects given below.
- (क) तीनों सप्तकों (मंद्र, मध्य और तार) को दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार कीजिए और उनमें प्रयुक्त होने वाले स्वरलिपि चिह्नों को समझाइए।
 (पाठ 1 देखें)
 (A) Prepare a chart showing the three Saptaks (Mandra, Madhya and Tara) and explain the notation symbols used in them.
 (See Lesson 1)
- (ख) तीनताल, एकताल और दादरा ताल की संरचना (ठेका, मात्रा, विभाग आदि) को दर्शाने वाली एक तुलनात्मक तालिका तैयार कीजिए।
 (पाठ 3 देखें)
 (B) Prepare a comparative table showing the structure of Teental, Ektala and Dadra Tala.
 (See Lesson 3)